

बीटी कपास के बीज पर मॉनसेंटो का पेटेंट

चर्चा में क्यों?

सर्वोच्च न्यायालय ने दलिली उच्च न्यायालय के उस आदेश को खारजि कर दिया है जिसमें न्यायालय ने दगिगज कंपनी मॉनसेंटो टेक्नोलॉजी (Monsanto Technology) के बीटी कपास बीज पर बॉलगार्ड प्रौद्योगिकी के पेटेंट के अधिकार को अवैध करार दिया था।

प्रमुख बिंदु

- वर्ष 2018 में दलिली उच्च न्यायालय ने मॉनसेंटो टेक्नोलॉजी के बीटी कपास बीज पर बॉलगार्ड प्रौद्योगिकी के पेटेंट के अधिकार को अवैध करार दिया था। दलिली उच्च न्यायालय के अनुसार, बीटी वशिषता के लिये ज़मिमेदार जीन अनुक्रम जो कपास के पौधों को प्रभावित करने वाले कीटों को मटिता है, बीज का एक हस्सा है इसलिये **भारतीय पेटेंट अधिनियम, 1970** (Patents Act, 1970) की धारा 3 (j) के तहत इसे पेटेंट नहीं कराया जा सकता है।
- 8 जनवरी, 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने मॉनसेंटो टेक्नोलॉजी को अपने आनुवंशिक रूप से संशोधित कपास के बीज पर पेटेंट का दावा करने की अनुमति दी, जिससे नई बीज प्रौद्योगिकी विकसित करने वाली फर्मों को बढ़ावा मलगा।

क्या था मामला?

- मॉनसेंटो टेक्नोलॉजी कृषि क्षेत्र की दगिगज अमेरिकी कंपनी है जिसने वर्ष 2015 में अपनी भारतीय सहायक कंपनी मॉनसेंटो महकिो बायोटेक्नोलॉजी लिमिटेड (Monsanto Mahyco Biotechnology Ltd.) के माध्यम से नूज़वीडू सीड्स और उसकी सहायक कंपनियों के खलिाफ एक याचिका दायर की थी।
- इस याचिका के अनुसार, नूज़वीडू सीड्स (Nuziveedu Seeds) और उसकी सहायक कंपनियों बीटी कॉटन बीजों के लाइसेंस समझौते की समाप्त के बावजूद भी मॉनसेंटो टेक्नोलॉजी की पेटेंट तकनीक का उपयोग कर बीजों की बिक्री कर रही थीं।

बीटी कपास

- बीटी कपास (Bt-Cotton) को मटिटी में पाए जाने वाले जीवाणु बैसीलस थूरीनजेंसिस से जीन निकालकर नरिमति किया गया है।
- इस जीन को 'Cry 1AC' नाम दिया गया है।
- यह कीटों के प्रतर्त प्रतर्तकता पैदा करता है जिससे कीटनाशकों के उपयोग की आवश्यकता नहीं रहती है।
- बीटी की कुछ नसलें ऐसे प्रोटीन का नरिमाण करती हैं जो कुछ वशिषिट कीटों को समाप्त करने में सहायक है।

इस संबंध में वसितृत जानकारी के लिये : [वशिषः जीएम \(GM\) बीजों का अमेरिकी पेटेंट भारत में लागू नहीं पढ़ें।](#)

स्रोत : द हट्टि (बज़िनेस लाइन)